स्कूल की मेज़

हिज़बुल रहमान

स्कूल की मेज़

हिज़बुल रहमान

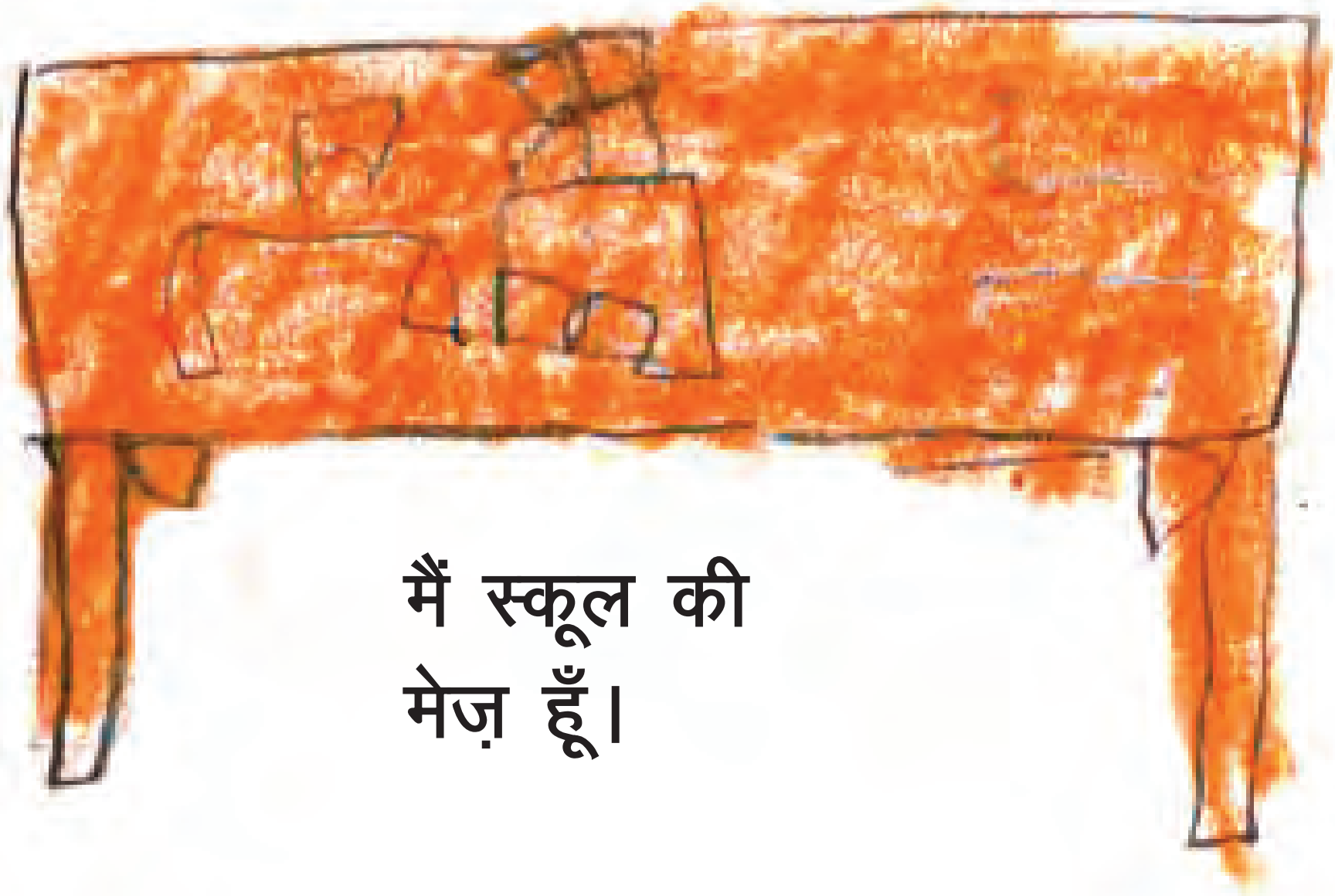

मैं स्कूल की
मेज़ हूँ।

मैडम मुझ पर बैग,
रजिस्टर, कॉपी, पेन और
मोबाइल रखती हैं।

मुझ पर खाना
रखकर खाते भी हैं।

जब बच्चे कूदते हैं तब दर्द होता है। जब किताब रखकर पढ़ते हैं तो अच्छा लगता है।

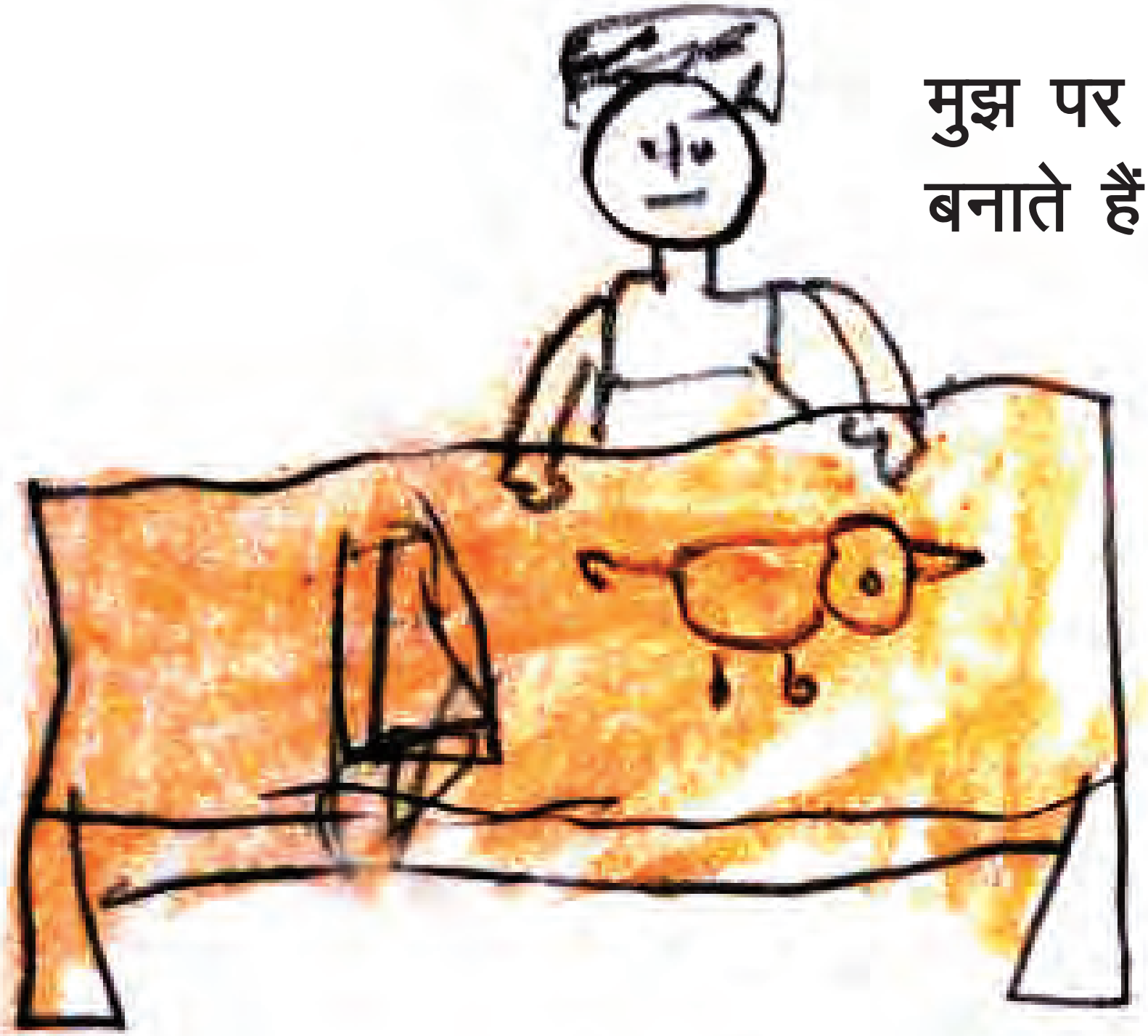

मुझ पर बच्चे चित्र
बनाते हैं।

जब मैडम बच्चों को
मारती हैं तो मुझे
बुरा लगता है।

लड़ाई में बच्चे मुझे
तोड़ भी देते हैं।

स्कूल की मेज़

बातें और चित्रः हिज़बुल रहमान

लर्निंग कलेक्टिव, जे.पी.कॉलोनी, नई दिल्ली–110002

प्रकाशक : अंकुर सोसायटी फ़ॉर ऑल्टर्नेटिव्ज़ इन एजुकेशन

2014